



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 314]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 13, 2006/आषाढ़ 22, 1928

No. 314]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 13, 2006/ASADHA 22, 1928

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 2006

सं. 80/2006-सीमाशुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 419(अ).— सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 75, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियमावली, 1995 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा जाएगा) में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों को सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवाकर प्रतिअदायगी (संशोधन) नियमावली, 2006 कहा जाएगा ।
(2) जब तक कि कोई स्पष्ट व्यवस्था न की जाए अन्यथा ये नियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।
2. उक्त नियमावली की प्रस्तावना में “और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 (1944 का 1) की धारा 37” शब्दों आंकड़ों और कोष्ठकों के स्थान पर “केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 और वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 के साथ पठित धारा 93 क” चिन्ह, शब्द, आंकड़े और कोष्ठक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।
3. उक्त नियमावली में ;
(1) नियम 1 के उप नियम (1) में “सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रति अदायगी नियमावली 1995” शब्दों और आंकड़ों के स्थान पर “सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर प्रति अदायगी नियमावली, 1995” शब्द और आंकड़े प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(2) नियम 2 में, -

(क) खण्ड (क) के लिए निम्नलिखित खंड प्रति-स्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

“(क) भारत में विनिर्मित और निर्यातित किसी भी माल के संबंध में “प्रतिअदायगी” का अर्थ किसी भी प्रयुक्त आयातित सामग्रियों अथवा उत्पाद शुल्क की सामग्रियों पर प्रभारित शुल्क अथवा कर से छूट, जैसा भी मामला हो, अथवा ऐसे माल के विनिर्माण में निविष्टि सेवाओं के रूप में प्रयुक्त कराधेय सेवाओं से है”;

(ख) खंड (घ) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् -

“(घ क) “निविष्टि सेवा” का वही अर्थ होगा जैसा कि इसे सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत दिया गया है” ।

(3) नियम 3 में, -

(क) उप-नियम (1) में, -

(i) खंड (ख) में अंत में आ रहे शब्द “और” का लोप किया जाएगा ;

(ii) खंड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् ; -

“(ख ख) वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) और उसके अंतर्गत बनाए गए नियम ; और”;

(iii) प्रथम परन्तुक के लिए निम्नलिखित परन्तुक प्रति-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ बशर्ते कि जहाँ कोई माल आयातित सामग्रियों अथवा उत्पाद शुल्क्य सामग्रियों अथवा निविष्टि सेवाओं के रूप में किन्हीं कराधेय सेवाओं का प्रयोग कर के उत्पादित अथवा विनिर्मित किया जाता है, जिन में से कुछ पर न कि बाकी पर, प्रभार्य शुल्क अथवा कर अदा कर दिया गया है, अथवा प्रभार्य शुल्क अथवा कर का एक हिस्सा ही अदा किया गया है, अथवा अदा किया गया शुल्क अथवा कर, को सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) और उन के अंतर्गत बनाए गए नियमों या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों, अथवा वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के किन्हीं उपबंधों के तहत उन पर छूट दी गई है अथवा पूर्ण रूपेण अथवा अंशतः वापिस कर दिया गया है अथवा क्रेडिट के रूप में दिया गया है, उक्त माल पर दी गई प्रति आदयगी को कम शुल्क अथवा प्रदत्त कर अथवा छूट, वापसी अथवा प्राप्त क्रेडिट को हिसाब में लेते हुए कम किया जाएगा ; ”

(iv) दूसरे परन्तुक के खण्ड (ii) के लिए निम्नलिखित खण्ड प्रति-स्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

“(ii) यदि उक्त माल को आयातित सामग्रियों अथवा उत्पाद शुल्क की सामग्रियों अथवा कराधेय सेवाओं जिस के संबंध में शुल्क अथवा कर अदा नहीं किए गए हैं, का प्रयोग करते हुए उत्पादित अथवा विनिर्मित किया जाता है ; अथवा” ;

(ख) उप नियम (2) में खंड (ड.) के बाद निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

“(ड. क) निर्यात माल का विनिर्माण करने अथवा उस का संसाधन करने अथवा उसे रखने अथवा पैक करने के लिए निविष्टि सेवाओं के रूप में प्रयुक्त कराधेय सेवाओं पर प्रदत्त कर की औसत राशियाँ ।”

(4) नियम 5, उप नियम (2) में, “निविष्टियों पर शुल्क” शब्दों के पश्चात् “अथवा निविष्टि सेवाओं पर कर” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ।

(5) नियम (6) में, -

(क) उप नियम (1) में, खण्ड (क) में,

- (i) “विनिर्माता निर्यातक” शब्दों के लिए “विनिर्माता” शब्द प्रति-स्थापित किया जाएगा और इसे पहली अप्रैल, 2003 से प्रति-स्थापित किया गया माना जाएगा ।
- (ii) “प्रयुक्त किया गया है” शब्दों से पहले आने वाले शब्द “संघटक” के बाद “अथवा निविष्टि सेवाओं” शब्द और परंतुक से पहले आने वाले शब्द “संघटक” के बाद “अथवा निविष्टि सेवाओं पर प्रदत्त कर” अंतःस्थापित किए जाएंगे ;
- (iii) परंतुक में दोनों स्थानों पर “विनिर्माता निर्यातक” शब्दों के लिए “विनिर्माता” शब्द प्रति-स्थापित किया जाएगा और इसे पहली अप्रैल, 2003 से प्रति-स्थापित किया गया माना जाएगा ।

(ख) उप नियम (2) में ;

- (i) खण्ड (क) में “कोई निर्यातक” शब्दों के लिए “कोई विनिर्माता अथवा निर्यातक” शब्द प्रति-स्थापित किए जाएंगे और इन्हें पहली अप्रैल, 2003 से प्रति-स्थापित किया गया माना जाएगा ।”
- (ii) खण्ड (ख) में “विनिर्माता निर्यातक” शब्दों के लिए, जहाँ कहीं भी वे आएँ, “विनिर्माता” शब्द प्रति-स्थापित किया जाएगा और इसे पहली अप्रैल, 2003 से प्रति-स्थापित किया गया माना जाएगा ।

(6) नियम 7 में ;

(क) उप-नियम (1) में,

- (i) “विनिर्माता निर्यातक” शब्दों के स्थान पर जहाँ कहीं भी वे आते हैं “विनिर्माता” शब्द रखा जाएगा और इसे वर्ष 2003 के अप्रैल माह के प्रथम दिन से प्रति-स्थापित किया गया माना जाएगा ;
- (ii) “सामग्रियों अथवा संघटकों पर प्रदत्त शुल्कों” शब्दों के स्थान पर “सामग्रियों अथवा संघटकों अथवा निविष्टि सेवाओं पर अदा किए गए शुल्क अथवा कर” शब्द रखे जाएंगे ;
- (iii) ऐसे शब्दों के लिए “जिन में सामग्रियों अथवा संघटकों का प्रयोग माल के उत्पादन अथवा निर्माण में किया जाता है तथा ऐसी सामग्रियों और संघटकों पर अदा किए गए शुल्कों” के

लिए शब्द “जिनमें सामग्री या संघटक अथवा निविष्टि सेवाएं माल के उत्पादन अथवा निर्माण में प्रयोग की जाती हैं और ऐसी सामग्रियों, शुल्क संघटकों अथवा निविष्टि सेवाओं पर कर अदा किए जाते हैं,” शब्द रखे जाएंगे।

(ख) उप नियम (3) में “निर्यातक” शब्द के लिए “निर्माता अथवा निर्यातक” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगों और इन्हें अप्रैल माह के प्रथम दिन से प्रतिस्थापित किया गया माना जाएगा ;

(7) नियम 9 में, खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(क) ऐसी सामग्रियों अथवा संघटकों अथवा निविष्टि सेवाओं पर अदा किए गए कर की राशि का निर्धारण करने के लिए माल के उत्पादन अथवा निर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों अथवा संघटकों अथवा निविष्टि सेवाओं में प्रयुक्त सामग्रियों की श्रेणी अथवा वर्णन का निर्धारण करने के लिए।”

(8) नियम 12 में उप-नियम (1), में खण्ड (क) के उप-खण्ड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उप खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(ii) आधानों, पैकेजिंग सामग्रियों तथा सामग्रियों पर अदा किए गए सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा ऐसे निर्यात किए जाने वाले माल के निर्माण में प्रयुक्त निविष्टियों पर अदा किए गए सेवा कर, जिस पर प्रति अदायगी का दावा किया जा रहा है, के संबंध में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2002 अथवा किसी अन्य कानून के तहत अलग से शुल्क की रियायत अथवा सेवा कर से रियायत हेतु अलग से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों के समक्ष कोई दावा नहीं किया जाएगा।”

(9) नियम 13 में :-

(i) खण्ड (iii) में उप - नियम (2) में “ ए आर - 4 प्रपत्र” अक्षरों, शब्दों और अंकों के स्थान पर “ ए आर ई - I” अक्षर एवं अंक रखे जाएंगे ;

(ii) उप - नियम (4) के बाद, निम्नलिखित उप-नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“(5) उप-नियम (2), (3) तथा (4) के उपबंधों के होते हुए, जहां निर्यातक ने माल का निर्यात इलैक्ट्रॉनिक लदान बिल के मार्फत प्रतिअदायगी के दावे के तहत इलैक्ट्रॉनिक आंकड़ा इन्टरचेंज (ई डी आई) के तहत किया हो, वहां इलैक्ट्रॉनिक शिपिंग बिल को ही प्रतिअदायगी हेतु दावे के रूप में माना जाएगा ;”

(10) नियम 16 क में :-

(क) उप-नियम (2) में, “ साठ दिनों ” शब्दों के स्थान पर “ तीस दिन ” शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) उप-नियम (3) में, “ साठ दिनों ” शब्दों के स्थान पर “ तीस दिन ” शब्द रखे जाएंगे ;

टिप्पणी : मूल नियम, अधिसूचना सं. 37/95-सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.), दिनांक 26 मई, 1995, सं. सा.का.नि. 441(अ), दिनांक 26 मई, 1995 के तहत प्रकाशित की गई थी तथा इसमें अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 10/2006-सीमाशुल्क (गै.टै.), दिनांक 15 फरवरी, 2006, सं. सा.का.नि. 64(अ), दिनांक 15 फरवरी, 2006 के तहत किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th July, 2006

No. 80/2006-CUSTOMS (N.T.)

G.S.R. 419(E).— In exercise of the powers conferred by section 75 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995(hereinafter referred to as the said rules), namely:-

1. (1) These rules may be called the Customs, Central Excise Duties and Service Tax Drawback (Amendment) Rules, 2006.

(2) Save as expressly provided otherwise, these rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the preamble to the said rules for the words, figures and brackets, "and section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944)", the sign, words, figures and brackets, "section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and section 93A read with section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994)" shall be substituted.

3. In the said rules,-

(1) in sub-rule (1) of rule 1 for the words and figures "Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995", the words and figures "Customs, Central Excise Duties and Service Tax Drawback Rules, 1995" shall be substituted;

(2) in rule 2,-

(a) for clause (a) the following clause shall be substituted, namely :-

"(a) "drawback" in relation to any goods manufactured in India and exported, means the rebate of duty or tax, as the case may be, chargeable on any imported materials or excisable materials used or

taxable services used as input services in the manufacture of such goods;”;

(b) after clause (d), the following clause shall be inserted, namely,-

“(da) “input service” shall have the same meaning as is assigned to it in the CENVAT Credit Rules, 2004.”

(3) in rule 3,-

(a) in sub-rule (1),-

(i) in clause (b), the word “and” appearing at the end shall be omitted;

(ii) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely,-

“(bb) the Finance Act, 1994(32 of 1994), and the rules made thereunder; and”;

(iii) for the first proviso the following proviso shall be substituted, namely :-

“Provided that where any goods are produced or manufactured from imported materials or excisable materials or by using any taxable services as input services, on some of which only the duty or tax chargeable thereon has been paid and not on the rest, or only a part of the duty or tax chargeable has been paid; or the duty or tax paid has been rebated or refunded in whole or in part or given as credit, under any of the provisions of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the rules made thereunder, or of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder, or of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) and the rules made thereunder, the drawback admissible on the said goods shall be reduced taking into account the lesser duty or tax paid or the rebate, refund or credit obtained:”;

(iv) for the clause (ii) of the second proviso the following clause shall be substituted, namely :-

“(ii) if the said goods are produced or manufactured, using imported materials or excisable

materials or taxable services in respect of which duties or taxes have not been paid; or”;

(b) in sub-rule (2), after clause (e), the following clause shall be inserted, namely :-

“(ea) the average amount of tax paid on taxable services which are used as input services for the manufacturing or processing or for containing or packing the export goods.”

(4) in rule 5, in sub-rule (2), after the words, “duty on inputs”, the words, “ or tax on input services” shall be inserted.

(5) in rule 6, -

(a) in sub-rule (1), in clause (a),-

(i) for the words “manufactures exporter”, the word “manufacturer” shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from 1st day of April, 2003;

(ii) after the word “components” occurring before the words “ are used”, the words “or inputs services”, and after the word “ components” occurring before the proviso, the words “ or the tax paid on input services” shall be inserted;

(iii) in the proviso, for the words, “manufacturer exporter” at both the places, the word “manufacturer” shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from 1st day of April, 2003;

(b) in sub-rule (2),-

(i) in clause (a), for the words “ an exporter”, the words “a manufacturer or exporter” shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from 1st day of April, 2003;

(ii) in clause (b), for the words “manufacturer exporter” wherever they occur, the word “manufacturer” shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from 1st day of April, 2003;

(6) in rule 7,-

(a) in sub-rule (1),-

(i) for the words "manufacturer exporter" wherever they occur, the word "manufacturer" shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from 1st day of April, 2003;

(ii) for the words, "duties paid on the materials or components", the words "duties or taxes paid on the materials or components or input services" shall be substituted ;

(iii) for the words, "in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods and the duties paid on such materials or components", the words, "in which the materials or components or input services are used in the production or manufacture of goods and the duties or taxes paid on such materials or components or input services" shall be substituted ;

(b) in sub-rule (3), for the word "exporter", the words "manufacturer or exporter" shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from 1st day of April, 2003;

(7) in rule 9, for clause (a) the following clause shall be substituted, namely :-

"(a) determining the class or description of materials or components or input services used in the production or manufacture of goods or for determining the amount of duty or tax paid on such materials or components or input services, or".

(8) in rule 12, in sub-rule (1), for sub-clause (ii) of clause (a) the following sub-clause shall be substituted, namely :-

"(ii) in respect of duties of Customs and Central Excise paid on the containers, packing materials and materials and the service tax paid on the input services used in the manufacture of the export goods on which drawback is being claimed, no separate

claim for rebate of duty or service tax under the Central Excise Rules, 2002 or any other law has been or will be made to the Central Excise authorities :”

(9) in rule 13,-

(i) in sub-rule (2), in clause (iii) for the letters, figure and word “AR-4 Form” the letters and figure “ARE-1” shall be substituted;

(ii) after sub-rule (4), the following sub-rule shall be added, namely:-

“(5) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3) and (4), where the exporter has exported the goods under electronic shipping bill in Electronic Data Interchange (EDI) under the claim of drawback, the electronic shipping bill itself shall be treated as the claim for drawback”.

(10) in rule 16A,-

(a) in sub-rule (2), for the words “sixty days”, the words “thirty days” shall be substituted;

(b) in sub-rule (3), for the words “sixty days”, the words “thirty days” shall be substituted;

[F. No. 609/54/2006-DBK/F. No. 601/8401/8/2004-DBK]

Dr. M. SUBRAMANYAM, Dy. Secy,

Note : The principal rules were published *vide* Notification No. 37/95-Customs and Central Excises (N.T.), dated the 26th May, 1995, No. G.S.R. 441(E), dated the 26th May, 1995, and was last amended *vide* Notification No. 10/2006-Customs (N.T.), dated the 15th February, 2006, No. G.S.R. 64(E), dated the 15th February, 2006.

2144 GE/06-3